

905

कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या: 336

/ सात लाई0-31 / आब0नीति 2012-13 / देहरादून: दिनांक: अप्रैल 25, 2012

विज्ञप्ति

आबकारी विभाग, उत्तराखण्ड

वित्तीय वर्ष 2012-13 (दिनांक 16-05-2012 से 31-03-2013 तक) के लिए
सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा एफ0एल0-5डी (विदेशी मदिरा एवं बियर) की फुटकर
बिक्री की दुकानों के व्यवस्थापन हेतु आवश्यक सूचना

उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या: 327/XXIII/2012/01(36)/2011
देहरादून: दिनांक 25.04.2012 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिये घोषित आबकारी नीति
के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य की समस्त जिलों में स्थित सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा
एफ0एल0-5डी (विदेशी मदिरा एवं बियर) की फुटकर दुकानों के वर्ष 2012-13 के
व्यवस्थापन हेतु निजी आवेदकों से सम्बन्धित दुकान के "निर्धारित राजस्व पर" निर्धारित
प्रारूप में आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं।

आवेदन पत्र के साथ हैसियत प्रमाण पत्र (आवेदित दुकान के कुल राजस्व के 1/10
भाग के बराबर) चरित्र प्रमाण पत्र एवं स्थायी निवास प्रमाण पत्र की प्रमाणित छायाप्रतियाँ
तथा वांछित धरोहर राशि के बैंक ड्राफ्ट को अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। इनके
संलग्न न होने की दशा में ऐसे आवेदनों पर किसी भी दशा में विचार नहीं किया जायेगा
और ऐसे आवेदनों को प्रथम दृष्टया निरस्त करने का पूर्ण अधिकार लाईसेंसिंग प्राधिकारी को
होगा। यदि हैसियत प्रमाण पत्र अद्यतन न हो तो गत वर्ष निर्गत हैसियत प्रमाण पत्र इस शर्त
के साथ अन्तरिम रूप से स्वीकार किया जायेगा, कि आवेदक इस आशय का शपथ पत्र
प्रस्तुत करें, कि इस दौरान प्रार्थी द्वारा हैसियत प्रमाण पत्र में अंकित चल/अचल सम्पत्ति का
विक्रय/हस्तान्तरण नहीं किया गया है। हैसियत प्रमाण पत्र के एवज में इसी मूल्य की बैंक
गारन्टी स्वीकार की जा सकती है।

यदि किसी आवेदक के नाम अचल सम्पत्ति नहीं है, तो वह अपने परिवार की सम्पत्ति
को लाईसेंसिंग प्राधिकारी के नाम Mortgage कर हैसियत प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है।
हैसियत प्रमाण पत्र की राशि की कमी के एवज में कम राशि के बराबर राशि की
एफ0डी0आर0 (नियमानुसार निर्धारित बैंकों से बनी) जो जिलाधिकारी के नाम प्रतिश्रुत होंगी,
जमा कराई जा सकेंगी।

आवेदक को आवेदन पत्र में अपना आयकर विभाग से प्राप्त पैन नम्बर अंकित करना
अनिवार्य होगा, परन्तु यदि किसी आवेदक के पास पैन नम्बर नहीं होगा, तो उसे यह
शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि, यदि उसके नाम दुकान लाटरी में निकलती है, तो वह
दुकान चलाना प्रारम्भ करने से पूर्व आयकर विभाग से पैन नम्बर प्राप्त करने हेतु आवेदन
देकर विभाग को सूचित करेगा अन्यथा उसे दिया गया लाईसेन्स निरस्त किया जा सकेगा।

किसी आवेदक को पूरे राज्य में सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा एफ0एल0-5डी
(विदेशी मदिरा एवं बियर) की एक से अधिक दुकान आवंटित नहीं की जायेगी।

दुकान जिस तहसील के अन्तर्गत आती हो, उसी तहसील के स्थायी निवासियों के
आवेदन पत्र सम्बन्धित दुकान हेतु स्वीकार किये जायेंगे। जहाँ एक दुकान के लिये एक ही
आवेदक हो, लाटरी प्रक्रिया से पूर्व उसे दुकान आवंटित की जा सकेगी तथा एक से अधिक
आवेदकों की दशा में लाटरी द्वारा आवंटन किया जायेगा। सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा

m

5.4

एफ0एल0-5डी (विदेशी मदिरा एवं बियर) की दुकानों के व्यवस्थापन हेतु उपरोक्त प्रक्रिया दो चरणों तक अपनाई जायेगी।

उपरोक्त प्रक्रिया के अनुसार दो चरणों में यदि दुकान व्यवस्थापित नहीं हो पाती है तो पात्रता की अन्य शर्तें समान रहते हुए जिले का निवासी दुकान हेतु पात्र माना जायेगा। यदि तृतीय चरण के उपरान्त भी दुकान व्यवस्थापित नहीं हो पाती है एवं कोई पात्र व्यक्ति जिलाधिकारी के समक्ष निर्धारित राजस्व पर दुकान लेने के लिये आवेदन करता है, तो ऐसी स्थिति में जिलाधिकारी द्वारा दुकान का आवंटन प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त के अनुसार किया जा सकेगा।

आवेदन पत्र तथा उसके साथ दिये जाने वाले शपथ-पत्र का प्रारूप नीचे दिया जा रहा है जिनकी प्रतियां तथा पात्रता की शर्तें एवं अन्य जानकारी जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। निर्धारित प्रारूप में भरे हुये आवेदन पत्र के साथ आवेदन पत्र शुल्क रुपये 15,000/- (रुपये पन्द्रह हजार मात्र) प्रोसेसिंग फीस जो नॉन रिफेंडेंबिल (**Non Refundable**) होगी, को जमा कराना होगा। आवेदन पत्र वांछित संलग्नकों सहित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में जमा कराये जा सकते हैं व उनकी प्राप्ति रसीद ली जा सकती है। आवेदन पत्रों के साथ लगाये जाने वाले धरोहर राशि के बैंक ड्राफ्ट केवल उत्तराखण्ड राज्य स्थित किसी अनुसूचित बैंक, राज्य सहकारी बैंक, जिला सहकारी बैंक, अरबन को-आपरेटिव बैंक अथवा राष्ट्रीयकृत बैंकों से सम्बन्धित जिला आबकारी अधिकारी के नाम दिनांक: 25.04.2012 के बाद के बने होने चाहिये।

वर्ष 2012-13 की घोषित आबकारी नीति के प्राविधानों के अनुसार किसी दुकान के लिए पूर्ण वर्ष 2012-13 हेतु निर्धारित राजस्व में से दिनांक 01-04-2012 से 15-05-2012 तक की अवधि में दुकान को चलाने से जमा राजस्व को घटाते हुये दिनांक 16-05-2012 से 31-03-2013 तक का दुकान का राजस्व निर्धारित किया जायेगा।

जिलों में दुकानों की स्थिति, उनका निर्धारित राजस्व एवं अन्य सूचनायें सम्बन्धित जिले के जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। इनके सम्बंध में सूचना जिलों के जिला आबकारी अधिकारी एवं जिलाधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड तथा वेबसाइट "www.uk.gov.in" एवं "www.uttrakhandexcise.org" पर भी उपलब्ध रहेगी।

दुकानों के आवंटन का कार्यक्रम निम्न प्रकार निर्धारित किया जाता है:-

1. प्रथम चरण-

आवेदन पत्र दिनांक 07.05.2012 तक कार्यालय दिवसों में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5:00 बजे तक सम्बन्धित जनपद के जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय में जमा किये जा सकेंगे। प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर दिनांक 12.05.2012 को प्रातः 10:00 बजे से प्रक्रिया समाप्त होने तक जिलाधिकारी के समक्ष दुकानों का आवंटन किया जायेगा।

2. द्वितीय चरण -

जो दुकानें प्रथम चरण में व्यवस्थापित नहीं हो पायेंगी उनकी सूची सम्बन्धित जिला कलेक्ट्रेट एवं जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगा दी जायेगी। सूची में अंकित दुकानों के व्यवस्थापन हेतु पुनः दिनांक 13.05.2012 सांय 5.00 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे तथा उपरोक्त प्रथम चरण की प्रक्रियानुसार दिनांक 14.05.2012 को अपरान्ह 2.00 बजे से पूरी प्रक्रिया समाप्त होने तक दुकानों का आवंटन किया जायेगा।

3. तृतीय चरण-

Handwritten signature and mark.

जो दुकानें द्वितीय चरण के आवंटन में भी आवंटित नहीं हो पायेंगी उनके व्यवस्थापन हेतु दिनांक 15.05.2012 को अपरान्ह 2.00 बजे तक सम्बन्धित जिलों के आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे एवं प्रथम चरण में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार दिनांक 15.05.2012 को सांय 5.00 बजे से प्रक्रिया समाप्त होने तक आवंटन किया जायेगा।

यदि तृतीय चरण के उपरान्त भी दुकान व्यवस्थापित नहीं हो पाती है एवं कोई पात्र व्यक्ति जिलाधिकारी के समक्ष निर्धारित राजस्व पर दुकान लेने के लिये आवेदन करता है, ऐसी स्थिति में जिलाधिकारी द्वारा दुकान का आवंटन प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त के अनुसार किया जा सकेगा। जिस अवधि में किसी दुकान का स्थायी व्यवस्थापन नहीं हो पायेगा, उस अवधि में दुकान को दैनिक आधार पर चलवाया जायेगा। दुकानों के व्यवस्थापन के सम्बन्ध में किसी भी विवाद की स्थिति में आबकारी आयुक्त, उत्तराखण्ड का निर्णय अन्तिम होगा।

आबकारी नीति के बिन्दु-6 (i) के सन्दर्भ में प्रदेश में एफ0एल0-5बी (बीयर की परिसर के बाहर उपभोग के लिए सील्ड बोतलों में बिक्री हेतु) अनुज्ञापनों के व्यवस्थापन हेतु पृथक से निर्देश जारी किये जा रहे हैं।

विस्तृत जानकारी के लिये कृपया शासन की अधिसूचना संख्या: 327/XXIII/2012/01(36)/2011 देहरादून: दिनांक 25.04.2012 का सन्दर्भ लें। समस्त सूचनायें उत्तराखण्ड शासन की वेबसाईट www.uk.gov.in एवं www.uttrakhandexcise.org पर भी उपलब्ध रहेंगी।

(सुरेन्द्र सिंह रावत)

आबकारी आयुक्त,
उत्तराखण्ड।

337-363

संख्या / सातलाई0-नीति-31 / आब0नीति / 2012-13 / देहरादून:तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
2. समस्त जिला आबकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि उक्त विज्ञप्ति को उत्तराखण्ड शासन की वेबसाईट www.uk.gov.in पर अपलोड करने का कष्ट करें।

(सुरेन्द्र सिंह रावत)

आबकारी आयुक्त,
उत्तराखण्ड।

- 4 -

वित्तीय वर्ष 2012-13 (16-05-2012 से 31-03-2013 तक) अवधि के लिए सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा एफ0एल0-5डी (विदेशी मदिरा एवं बियर) के फुटकर लाईसेंस हेतु आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत किये जाने वाले शपथ-पत्र का प्ररूप

आवेदक का नोटरी से
प्रमाणित नवीनतम
फोटोग्राफ

मैं.....पुत्र/पुत्री/पत्नी/.....आयु.....वर्ष.....

पता वर्तमान निवास

मकान नम्बर.....नगर/मौहल्ला/ग्राम/तोक.....
थाना/पटवारी पट्टी.....तहसील/उपतहसील.....
.....जिला.....

पता स्थाई निवास

मकान नम्बर.....नगर/मौहल्ला/ग्राम/तोक.....
थाना/पटवारी पट्टी.....तहसील/उप तहसील.....जिला.....
.....शपथ पूर्वक अभिकथन करता/करती हूँ कि:-

1. यह कि शपथकर्ता ने सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा एफ0एल0-5डी (विदेशी मदिरा एवं बियर) की फुटकर बिक्री की दुकान.....थाना.....
.....तहसील.....जिला.....के लाईसेंस वर्ष 2012-13 हेतु आवेदक पत्र दिया है।
2. यह कि शपथकर्ता ने लाईसेंस की शर्तों और प्रतिबन्धों को पूरी तरह से समझ लिया है और यदि आवेदित दुकान उसे आवंटित हो जाती है तो वह नियमों, लाईसेंस की शर्तों और लाईसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर दिये जाने वाले अन्य निर्देशों का पालन करेगा/करेगी।
3. यह कि शपथकर्ता भारत का नागरिक है एवं उत्तराखण्ड का स्थाई निवासी है। आवेदक की तहसील..... जिला का स्थाई निवासी है।
4. यह कि शपथकर्ता की आयु 21 वर्ष से अधिक है।
5. यह कि शपथकर्ता न तो सरकारी अथवा लोक देयों का बकायेदार है, न ही उसका नाम कालीसूची में है और न ही उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम 1910 (उत्तराखण्ड में उपान्तरित एवं अनुकूलित) के अन्तर्गत बनाये गये नियमों के अन्तर्गत उसे आबकारी लाईसेंस धारण करने से विवर्जित किया गया है।
6. यह कि शपथकर्ता व उसके परिवार के सदस्यों का नैतिक चरित्र अच्छा है और उसे/उन्हें उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम 1910 (उत्तराखण्ड में उपान्तरित एवं अनुकूलित) अथवा स्वापक एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 अथवा तत्समय लागू किसी अन्य विधि अथवा संज्ञेय और गैर जमानती अपराध में दोषी नहीं पाया गया है।

७.५

7. यह कि शपथकर्ता द्वारा हैसियत प्रमाण-पत्र (विज्ञापन में दी गयी शर्तों अनुसार) चरित्र प्रमाण पत्र एवं स्थाई निवास प्रमाण पत्र की प्रमाणित छाया प्रतियां आवेदन पत्र के साथ संलग्न की जा रही है।
8. यह कि शपथकर्ता के पास समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश दुकानों की संख्या एवं स्थिति नियमावली 1968 (उत्तराखण्ड में उपान्तरित एवं अनुकूलित) के प्राविधानों एवं आबकारी आयुक्त द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार दुकान खोलने के लिये उपयुक्त परिसर है/किराये पर उपयुक्त परिसर लेने की व्यवस्था है (जो लागू न हो उसे काट दिया जाय) प्रस्तावित परिसर किसी विधि या नियमों के प्रतिकूल नहीं बनाया गया है एवं रोड़ साइड लैण्ड कन्ट्रोल एक्ट के प्राविधानों के अनुरूप है।
9. यह कि शपथकर्ता किसी ऐसे विक्रेता अथवा प्रतिनिधि जिसकी अपराधिक पृष्ठभूमि हो अथवा जो संक्रामक या छूत की बीमारी से ग्रस्त हो अथवा जो 21 वर्ष से कम आयु का हो को नियुक्त नहीं करेगा।
10. यह कि शपथकर्ता दुकान आवंटन के बाद पावर आफ अटार्नी के आधार पर किसी अन्य व्यक्ति को दुकान संचालित करने हेतु अधिकृत नहीं करेगा।
11. यह कि शपथकर्ता अनुज्ञापन की वैधता अवधि के दौरान अनुज्ञापन का किसी अन्य के पक्ष में अन्तरण नहीं करेगा।
12. यह कि शपथकर्ता को आयकर विभाग द्वारा पैन संख्या..... आवंटित की गयी है।

यदि उसके नाम दुकान निकलती है तो वह दुकान चलाना प्रारम्भ करने से पूर्व आयकर विभाग से पैन संख्या प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करेगा एवं आवेदन का प्रमाण विभाग को प्रस्तुत करेगा। उनके द्वारा ऐसा न करने पर उसे दिया गया लाईसेंस निरस्त किया जा सकेगा।

(जो लागू न हो, काट दिया जाये)

13. यह कि प्रस्तर-1 से 12 तक की विषय वस्तु मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है और किसी तथ्य को छिपाया या दबाया नहीं गया है।

स्थान.....

दिनांक.....समय.....

शपथकर्ता

पब्लिक नोटेरी का नाम और मोहर

स्थान.....दिनांक

Handwritten signature

Handwritten signature

आवेदन पत्र का प्रारूप

देशी मदिरा की (भू गृहादि पर और उसके बाहर उपभोग के लिये) फुटकर बिक्री के अनुज्ञापन देशी शराब-5ग हेतु आवेदन पत्र/विदेशी मदिरा एवं बियर की फुटकर बिक्री (भू गृहादि के बाहर उपभोग के लिये) के अनुज्ञापन विदेशी मदिरा-5घ हेतु आवेदन पत्र।

(दुकान जिस तहसील के अन्तर्गत आती हो, उसी तहसील (तृतीय चरण में सम्पूर्ण जनपद) के स्थायी निवासियों के आवेदन पत्र सम्बन्धित दुकान हेतु स्वीकार किये जायेंगे।)

पंजीयन संख्या..... आबकारी वर्ष 2012-13

(कार्यालय द्वारा भरा जाये)

(16-05-2012 से 31-03-2013 तक)

निम्न विवरण आवेदक द्वारा स्वयं भरे जायें:-

1. आवेदित दुकान का विवरण

- | |
|--|
| (i) जिले का नाम..... |
| (ii) दुकान का नाम.....थाना/पटवारी पट्टी.....तहसील/उप तहसील |
| (iii) दुकान का प्रकार..... |
| (iv) (16-05-2012 से 31-03-2013 तक) अनुज्ञापन शुल्क रुपये
(अंको में)(शब्दों में) |
| (v) (16-05-2012 से 31-03-2013 तक) के लिये मदिरा का निर्धारित न्यूनतम गारन्टीड अभिकर की राशि रुपये (अंको में).....(शब्दों में)..... |
| (vi) (16-05-2012 से 31-03-2013 तक) के लिये कुल राजस्व (iv+v) (अंको में)(शब्दों में)..... |
| (vii) धरोहर धनराशि रु0 (अंको में).....(शब्दों में)..... |
| (viii) प्रतिभूति धनराशि रुपये (अंको में).....(शब्दों में)..... |

2. आवेदक का नाम.....
3. पिता/पति का नाम.....
4. आयु.....
5. लिंग-पुरुष/महिला.....
6. स्थायी पता.....
7. पैन नम्बर (यदि आवंटित है).....

मकान नम्बर..... नगर/मौहल्ला/ग्राम/तोक..... थाना/पटवारी पट्टी..... तहसील/उप तहसील..... जिला उत्तराखण्ड। दूरभाष (लैन्ड लाईन नम्बर)..... मोबाईल नम्बर.....	आवेदक का नवीनतम प्रमाणित फोटोग्राम
--	---------------------------------------

8. जमा धरोहर धनराशि का विवरण (उत्तराखण्ड राज्य स्थित किसी अनुसूचित बैंक, राज्य सहकारी बैंक, जिला सहकारी बैंक, अरबन को-ऑपरेटिव बैंक अथवा

Handwritten signature

Handwritten signature and date

राष्ट्रीयकृत बैंकों से सम्बन्धित जिला आबकारी अधिकारी के नाम दिनांक
25-04-2012 के बाद के बने बैंक ड्राफ्ट ही स्वीकार किये जायेंगे।)

(अ) बैंक ड्राफ्ट संख्या व दिनांक

(ब) बैंक का नाम.....

(स) बैंक ड्राफ्ट की राशि.....

आवेदक की घोषणा

मैं पुत्र/पत्नी/पुत्री.....घोषणा करता/करती है कि उपरोक्त बिन्दु 1 से 8 में दिया गया विवरण मेरी जानकारी में पूर्णतः सही है। यदि उपरोक्त विवरण असत्य या गलत पाया जाये तो मेरा प्रार्थना पत्र निरस्त करने योग्य होगा व धरोहर धनराशि जब्त करने योग्य होगी। यदि उपरोक्त विवरण अनुज्ञापन जारी करने के उपरान्त असत्य या गलत पाया जाता है तो मेरा अनुज्ञापन निरस्त करने योग्य होगा और साथ ही मेरी लाईसेंस फीस एवं प्रतिभूति की धनराशि भी जब्त करने योग्य होगी। मैं इस तथ्य से भिन्न हूँ/है कि असत्य या गलत विवरण देना दण्डनीय अपराध है।

स्थान.....दिनांक.....

आवेदक के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान (सतिथि)
आवेदक की प्रास्थिति

(प्रार्थना पत्र प्राप्ति रसीद)

श्री/श्रीमती/कुमारी.....पुत्र/पत्नी/पुत्री.....

निवासी.....सी0एल0-5सी (देशी शराब) तथा

एफ0एल0-5डी (विदेशी मदिरा एवं बियर) की फुटकर दुकान.....हेतु

प्रार्थना पत्र धरोहर धनराशि के बैंक ड्राफ्ट, शपथ पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण

पत्र एवं स्थायी निवास प्रमाण पत्र के साथ प्राप्त किया गया, जिसे रजिस्टर के क्रमांक.....

.....पर दर्ज किया गया।

दिनांक.....

कार्यालय सील

जिला आबकारी अधिकारी द्वारा

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

समय.....

~

6.4